B.A. 5th Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : DSE-2

Time: 3 Hours **Full Marks: 60**

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

प्रश्नपत्रेऽस्मिन् **Group A** च **Group B** इति विभागद्वयं वर्त्तते। प्रथमत: परीक्षार्थिभि: सावधानतया स्वपठित एको विभागो निश्चेतव्य:। ततश्च यथानिर्देशं प्रश्ना: समाधेया:।

প্রশ্নপত্রে **Group A** এবং **Group B** এই দুটি বিভাগ বর্তমান। পরীক্ষার্থীরা উল্লিখিত দুটি বিভাগের মধ্যে তাদের পঠিত একটি বিভাগ নিশ্চিত করে তার থেকে যথানির্দিষ্ট প্রশ্নগুলির উত্তর দেবে।

Group A

(Elements of Linguistics)

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *दशप्रश्ना*: संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधेया:। 2×10=20

নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখ ঃ

(a) संस्कृतस्योपरि प्रभावितानामनार्यभाषाणामुल्लेखो विधीयताम्। उदाहरणत्वेन तत् सम्बन्धीयशब्दचतुष्टयमुदाह्रीयताम्।
কোন্ কোন্ অনার্য ভাষা সংস্কৃতভাষাকে প্রভাবিত করেছে? উদাহরণ স্বরূপ চারটি লেখ।

(b) कस्मात् स्थानात् 'हिट्टाइट'(Hittite) इत्यस्या: भाषाया: प्राचीनतमं निदर्शनं प्राप्तम्।
'হিট্টাইট্' (Hittite)- এই ভাষার প্রাচীনতম নিদর্শন কোথায় আবিষ্কৃত হয়?

(c) भारतीयार्यभाषाया: कति स्तरा: विद्यन्ते? तेषां नामान्युल्लिख्यन्ताम्।
ভারতীয় আর্যভাষার কয়টি স্তর আছে? উক্ত স্তরগুলির নাম লেখো।

(d) इदानीमनुपलब्धयो: इन्दो-इउरोपीय भाषान्तर्गतयो: द्वयो: शाखयोरूल्लेख: करणीय:।
'ইন্দো-ইউরোপীয়' ভাষাগোষ্ঠীর অধুনালুপ্ত দুটি শাখার নাম উল্লেখ করো।

(e) संस्कृतभाषायां कति मूर्धन्यवर्णा: सन्ति?
সংস্কৃতভাষায় কতগুলি মূর্ধণ্য বর্ণ আছে?

(f) केन्तुम्- शाखान्तर्गतस्योपशाखाद्वयस्य नामोल्लिख्यताम्।
কেন্তুম্-শাখার অন্তর্গত দুটি উপশাখার নাম লেখ।

(g) संस्कृतेन सह साक्षात् सम्बन्धितं ध्वनिसूत्रं किम्? 'जनास:'- अस्य वैदिकशब्दस्य लौकिक संस्कृतरूपं किं स्यात्?
সংস্কৃতের সঙ্গে কোন ধ্বনিসূত্র প্রত্যক্ষভাবে যুক্ত? 'জনাসঃ'- এই বৈদিক শব্দের লৌকিক সংস্কৃত রূপটি কী?

(h) किं नाम ध्वनिसूत्रम्?
ধ্বনিসূত্র কী?

(i) कस्यां इन्दो-इउरोपीयभाषायाम् आङ्ग्ल भाषा अन्तर्भवति?
কোন ইন্দো-ইউরোপীয় ভাষাগোষ্ঠীর মধ্যে ইংরাজিভাষা অন্তর্ভুক্ত?

(j) संक्षिप्ता टिप्पणी लेखनीया— आलवानीय (Albanian)।
সংক্ষিপ্ত টিপ্পণী লেখো— আলবানীয় (Albanian)।

(k) द्राविड़-प्रभावान्वितं संस्कृतशब्दद्वयं लेखनीयम्।
দ্রাবিড় প্রভাবযুক্ত দুটি সংস্কৃত শব্দ লেখো।

(l) इरानीयभाषया विरचितस्य प्राचीनतमधर्मग्रन्थस्य नाम लिख्यताम्।
ইরানীয় ভাষায় বিরচিত প্রাচীনতম ধর্মগ্রন্থের নাম লেখো।

(m) का अपश्रुतिः?
অপশ্রুতি কী?

(n) इन्दो-इरानीय भाषा इत्युक्ते किं बोध्यते?
ইন্দো-ইরানীয় ভাষা দ্বারা কী বোঝা যায়?

(o) प्राचीन-भारतवर्षे प्रतिष्ठितेषु भाषावित्सु द्वयोः भाषाविदोः नामोल्लिख्यताम्।
প্রাচীনভারতে প্রসিদ্ধ ভাষাতত্ত্ববিদ দুজনের নাম লেখ।

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं लिख्यताम्। तेषु प्रश्नद्वयस्योत्तरं संस्कृतभाषया कार्यम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো। তার মধ্যে *যেকোনো দুটির* উত্তর সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

(a) को नाम वर्णागमः? उदाहरणमेकं प्रदेयम्।
বর্ণাগম কী? একটি উদাহরণ দাও।

(b) इन्दो-इरानीय भाषायाः वैशिष्ट्यं लिख्यताम्।
ইন্দো-ইরানীয় ভাষার বৈশিষ্ট্য লেখো।

(c) का ग्रीक्-भाषा? तस्याः भाषायाः विभागान् लिखतु।
গ্রীক্ ভাষা কী? এই ভাষার বিভাগগুলি লেখো।

(d) संक्षिप्ता टीका लेखनीया— वैदिक-उपसर्गः।
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো— বৈদিক-উপসর্গঃ।

(e) संक्षिप्ता टीका लेखनीया— प्राकृतभाषा।
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো— প্রাকৃতভাষা।

(f) संक्षिप्ता टीका लेखनीया— समाक्षरलोपः।
সংক্ষিপ্ত টীকা লেখো— সমাক্ষরলোপঃ।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দুটির* উত্তর লেখো।

(a) ग्रीमध्वनिसूत्रं सोदाहरणं व्याख्यायताम्।
গ্রীমের ধ্বনিসূত্র উদাহরণ সহ ব্যাখ্যা করো।

(b) इन्दो-इउरोपीय-भाषापरिवारस्य वैशिष्ट्यं किम्? इन्दो-इउरोपीय भाषाणां विभागाः आलोचनीयाः।
ইন্দো-ইউরোপীয় ভাষা পরিবারের বৈশিষ্ট্য কী? ইন্দো-ইউরোপীয় ভাষাগুলির শ্রেণিবিভাজন আলোচনা করো।

(c) যথেচ্ছং *द्वयस्य* টীকা কার্যা (যেকোনো *দুটির* টীকা লেখো।)।

(i) समीभवनम् (সমীভবনম্) (ii) अपिनिहितम् (অপিনিহিত) (iii) स्वरभक्तिः (স্বরভক্তি)

(d) केलतिक् भाषायाः वैशिष्ट्यं लिख्यताम्।
কেলতিক্ ভাষার বৈশিষ্ট্য লেখো।

Group B

(Technique of Sanskrit Language)

1. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *दशप्रश्नाः* संस्कृतभाषया देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधेयाः। 2×10=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *যেকোনো দশটি* প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখো ঃ

(a) अपत्यप्रत्ययान्तानां शब्दानां प्रयोगः केन लिङ्गेन स्यात्?
অপত্যপ্রত্যয়ান্ত শব্দগুলির প্রয়োগ কোন লিঙ্গে হয়?

(b) कः अमरकोषः इति ग्रन्थस्य रचयिता? ग्रन्थेऽस्मिन् कति काण्डाः सन्ति?
অমরকোষঃ -এই গ্রন্থটির রচয়িতা কে? এই গ্রন্থে কয়টি কাণ্ড আছে?

(c) 'संहतौ सभा'— अनेन वाक्येन केषां शब्दानां किं लिङ्गम् उपदिश्यते?
'संहतौ सभा'— এই বাক্যের দ্বারা কোন্ কোন্ শব্দগুলির ক্ষেত্রে কী লিঙ্গ বিধানের কথা বলা হয়েছে?

(d) 'तद्धितार्थो द्विगुः'— अनेन वाक्येन किं लिङ्गम् उपदिश्यते? उदाहरणमेकं दीयताम्।
'तद्धितार्थो द्विगुः'— এই বাক্যে কোন লিঙ্গ বিধানের কথা বলা হয়েছে? একটি উদাহরণ দাও।

(e) 'स्त्रियामीदूद्विरामैकाच्'— अस्य वाक्यस्यार्थं सोदाहरणं प्रतिपाद्यताम्।
'स्त्रियामीदूद्विरामैकाच्'— এই বাক্যটির অর্থ সোদাহরণ আলোচনা করো।

(f) 'षष्ठयन्त प्राक्पदः सेनाच्छायाशालासुरानिशाः'— अस्य श्लोकांशस्य अर्थः लिख्यताम्।
'षष्ठयन्त प्राक्पदः सेनाच्छायाशालासुरानिशाः'— এই শ্লোকাংশটির অর্থ লেখো।

(g) अमरकोषस्य टीकाग्रन्थेषू द्वयोः टीकाग्रन्थयोः नामोल्लिख्यताम्।
অমরকোষ গ্রন্থের উপর বিরচিত টীকা গ্রন্থগুলির মধ্য থেকে যে কোনো দুটির নামোল্লেখ কর।

(h) 'धातुपाठः'— इत्यस्य ग्रन्थस्य रचयिता कः?
'धातुपाठः'— এই গ্রন্থটির রচয়িতা কে?

(i) धातुपाठे कति गणाः सन्ति? तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।
ধাতুপাঠে কয়টি গণ আছে? সেগুলির নাম লেখো।

(j) का संज्ञा मध्यमपुरूषस्य?
মধ্যম পুরুষের সংজ্ঞা কী?

(k) कस्मिन्नर्थे 'लट'-लकारस्य प्रयोगः स्यात्?
কোন অর্থে 'লট্'-লকারের প্রয়োগ হয়?

(l) धातुपाठे कति लकाराः सन्ति? तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।
ধাতুপাঠে কয়টি লকার আছে? সেগুলির নাম লেখো।

(m) √दृश्—धातोः लिट्लकारस्य धातुरूपाः लिख्यन्ताम्।
√দৃশ্—ধাতুর লিট্-লকারের ধাতুরূপগুলি লেখো।

(n) √पठ्—धातोः लृङ्-लकारस्य धातुरूपाः लिख्यन्ताम्।
√পঠ্—ধাতুর লৃঙ্ লকারের ধাতুরূপগুলি লেখ।

(o) √भू— धातोः लुङ्-लकारस्य धातुरूपाः लिख्यन्ताम्।
√ভূ—ধাতুর লুঙ্ লকারের ধাতুরূপগুলি লেখ।

2. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु *चतुर्णां* प्रश्नानामुत्तरं लिख्यताम्। तेषु प्रश्न*द्वयं* सुरगिरा लेखनीयम्। 5×4=20
নীচের প্রশ্নগুলির মধ্যে *চারটি* প্রশ্নের উত্তর লেখো। তার মধ্যে *দুটি* সংস্কৃত ভাষায় লেখো।

(a) व्याख्या कार्या (ব্যাখ্যা কর)—

'स्वर्ग-यागा-द्रि-मेघा-ध्वि-दु-काला-सि-शरा-स्थः।
कर-गण्डोष्ठ-दोर्दन्त-कण्ठ-केश-नख-स्तनाः।।

(b) व्याख्या कार्या (ব্যাখ্যা কর)—

'सलिङ्गशास्त्रैः सन्नादिकृत्तद्धित समासजैः।
अनुक्तैः संग्रहे लिङ्गं सङ्कीर्णवदिहोन्नयेत्।।

(c) व्याख्या कार्या (ব্যাখ্যা কর)—

अर्धर्चादौ घृतादीनां पुंत्वाद्यं वैदिकं ध्रुवम्।
तन्नोक्तमिह लोकेऽपि तद्भेदस्त्यस्तु शेषवत्।।

(d) परस्मैपदम् आत्मनेपदं चैतयोः संज्ञा सोदाहरणम् आलोच्यताम्।
পরস্মৈপদ এবং আত্মনেপদ এই দুটির সংজ্ঞা সোদাহরণ আলোচনা কর।

(e) बिधिलिङ्लकारः कुत्र भवति तत् सोदाहरणमालोच्यताम्।
বিধিলিঙ্-লকার কোন ক্ষেত্রে হয় তা সোদাহরণ আলোচনা কর।

(f) लुङलकारस्य प्रयोगः सोदाहरणम् आलोच्यताम्।
লুঙ-লকারের প্রয়োগ সোদাহরণ আলোচনা কর।

3. अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु प्रश्न*द्वयं* समाधेयम्। 10×2=20
নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো *দুটির* উত্তর লেখো।

(a) अमरकोषः— इति ग्रन्थस्य लिङ्गादिसंग्रहवर्गे केषां शब्दानां स्त्रीलिङ्गत्वमुक्तं तद् सोदाहरणम् आलोच्यताम्।
অমরকোষ:— এই গ্রন্থের লিঙ্গাদিসংগ্রহ বর্গে কোন্ কোন্ শব্দগুলির প্রয়োগ স্ত্রীলিঙ্গে বলা হয়েছে? সোদাহরণ আলোচনা কর।

(b) अमरकोषः इत्यस्य ग्रन्थस्य लिङ्गादिसंग्रहवर्गे केषां शब्दानां नपुंसकलिङ्गत्वमुक्तम् तद् सोदाहरणम् आलोच्यताम्।
অমরকোষ:— এই গ্রন্থের লিঙ্গাদিসংগ্রহ বর্গে কোন কোন শব্দগুলির প্রয়োগ নপুংসক লিঙ্গে বলা হয়েছে? সোদাহরণ আলোচনা কর।

(c) √पठ्—धातोः सर्वेषां लकाराणां रूपाणि लिख्यन्ताम्।
√পঠ্—ধাতুর সমস্ত লকারের রূপগুলি লেখ।

(d) √सेव्—धातोः सर्वेषां लकाराणां रूपाणि लिख्यन्ताम्।
√সেব্—ধাতুর সমস্ত লকারের রূপগুলি লেখ।